

डॉ. डेव मैथ्यूसन, न्यू टेस्टामेंट लिटरेचर, व्याख्यान 37, रहस्योद्घाटन पर पूर्व शाप, सत्र 2

© 2024 डेव मैथ्यूसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डेव मैथ्यूसन अपने इतिहास और साहित्य पाठ्यक्रम में न्यू टेस्टामेंट में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक पर अपने दूसरे भ्रमण पर हैं।

पिछली कक्षा की अवधि में हमने रहस्योद्घाटन, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के संबंध में परिचयात्मक मुद्दों पर थोड़ा ध्यान दिया।

हमने कहा कि रहस्योद्घाटन मुख्य रूप से शाही रोम और रोमन शासन के संदर्भ में सम्राट पूजा के प्रभाव में रहने वाले ईसाइयों को संबोधित किया गया था, जो रोम के प्रति निष्ठा दिखाने, सम्राट के सम्मान के अवसरों में शामिल होने आदि के दबाव में थे। शायद कुछ उत्पीड़न था, हालाँकि यह मुख्य रूप से स्थानीय स्तर पर आया होगा, रोमन सम्राट द्वारा आधिकारिक तौर पर स्वीकृत उत्पीड़न के बिना, इसमें से अधिकांश स्थानीय अधिकारी रोम के पक्ष में रहने और रोम के प्रति अपनी कृतज्ञता और निष्ठा दिखाने के इच्छुक रहे होंगे। ईसाइयों के लिए समस्या यह थी कि क्या उन्हें इसका विरोध करना चाहिए और शायद परिणाम भुगतना चाहिए या क्या समझौता करना चाहिए और यीशु मसीह के प्रति अपनी भक्ति और विश्वास में आत्मसंतुष्ट हो जाना चाहिए।

इसलिए, तब प्रकाशितवाक्य मुख्य रूप से रोमन शासन की वास्तविक प्रकृति को उजागर करने, उसके आध्यात्मिक दिवालियापन को दिखाने, उसकी भ्रष्टता दिखाने, उसके दिखावे, उसके अहंकार, उसकी इच्छा और जीवन की कीमत पर धन की भूख को उजागर करने के साधन के रूप में लिखा गया था। दूसरों की और धन संचय करने की इच्छा, भले ही इसके लिए उत्पीड़न ही क्यों न करना पड़े। जॉन अपने पाठकों को रोम की वास्तविक प्रकृति से परिचित कराने के लिए उस संपूर्ण प्रणाली को उजागर करता है। यह सब कुछ नहीं है जो इसके लिए रचा गया है, बल्कि इसके बजाय, जॉन दिखाएगा कि यह वास्तव में एक घृणित रक्तपिपासु जानवर है और भगवान के लोगों के पास खोने के लिए सब कुछ है अगर वे इसके आगे झुक जाते हैं और इसके बजाय उन्हें विश्वास और आज्ञाकारिता और पूजा में यीशु मसीह को गले लगाना चाहिए, चाहे कुछ भी हो नतीजे।

हमने रिवीलेशन की साहित्यिक विधाओं पर थोड़ा ध्यान दिया और एक समस्या जिसका हमें सामना करना पड़ा वह यह है कि रिवीलेशन में वास्तव में आज कोई करीबी साहित्यिक समानता नहीं है। जैसा कि मैंने कहा, हम पत्र और आख्यान और कहानियां और कविता लिखते और पढ़ते हैं, जो सभी पुराने नए नियम में पाए जाते हैं, लेकिन जब रहस्योद्घाटन की पुस्तक की बात आती है, जिसे हमने कहा था कि यह एक सर्वनाश था, एक भविष्यवाणी के रूप में एक पत्र, हम वास्तव में, आपने आखिरी बार कब सर्वनाश पढ़ा या लिखा है? हमने कहा कि सर्वनाश वास्तव में एक स्वर्गीय दुनिया के दूरदर्शी अनुभव और अनुभवजन्य दुनिया के पीछे छिपे भविष्य का एक प्रथम-व्यक्ति वर्णन है। दूसरे शब्दों में, पाठक जो कुछ भी देखते हैं वह इतिहास के मंच पर दुनिया है,

और सर्वनाश जो करता है वह पर्दा उठाता है ताकि पाठक अनुभवजन्य दुनिया के पीछे की सच्ची स्वर्गीय वास्तविकता और उसके पीछे छिपे भविष्य को देख सकें।

सर्वनाश एक दूरदर्शी वृत्तांत है, भविष्य में स्वर्गीय वास्तविकता के उस पारलौकिक दूरदर्शी अनुभव के दूरदर्शी वृत्तांत का एक प्रथम-व्यक्ति वर्णन है। समस्या यह है कि हम अब उस तरह से संवाद नहीं करते हैं, लेकिन अगर मुझे एक संभावित साहित्यिक सादृश्य, एक संभावित आधुनिक साहित्यिक समानता का सुझाव देना हो, तो वह राजनीतिक कार्टून हो सकता है। यह मेरे लिए मौलिक नहीं है।

दूसरों ने इसका सुझाव दिया है, लेकिन जितना अधिक मैं इसके बारे में सोचता हूँ, उतना ही मुझे लगता है कि यह मददगार है। जब आप किसी साहित्यिक, मुझे क्षमा करें, एक राजनीतिक कार्टून के बारे में सोचते हैं, इसके बारे में कुछ बातें, सबसे पहले, राजनीतिक कार्टून वास्तविक घटनाओं, वास्तविक ऐतिहासिक व्यक्तियों और घटनाओं पर टिप्पणी करने या उनका उल्लेख करने के लिए होते हैं। वे सिर्फ काल्पनिक नहीं हैं।

वे सिर्फ विज्ञान कथा नहीं हैं। वे वास्तव में उन विशिष्ट घटनाओं का उल्लेख कर रहे हैं जो घटित हो रही हैं या हो चुकी हैं या शीघ्र ही घटित होंगी। वे वास्तविक व्यक्तियों को संदर्भित करते हैं जिन्हें आप और मैं उदाहरण के लिए पहचान सकते हैं और पढ़ सकते हैं, समाचारों से जान सकते हैं।

यह हमारी 21वीं सदी की दुनिया में वास्तविक राजनीतिक मूल्यों के विचारों और घटनाओं को संदर्भित करता है जिन्हें हम पहचान सकते हैं। राजनीतिक कार्टून वास्तविकता में निहित हैं। वे वास्तविक ऐतिहासिक व्यक्तियों, स्थानों और घटनाओं का उल्लेख करते हैं।

हालाँकि, सामने लाने वाली दूसरी बात यह है कि वे उन व्यक्तियों, स्थानों और घटनाओं के अत्यधिक अतिरंजित प्रतीकात्मक चित्रण के माध्यम से ऐसा कैसे करते हैं। कई बार, हम सक्षम होते हैं, क्योंकि हम परिवेश और हमारे राजनीतिक परिदृश्य तथा हमारे व्यक्तियों और हमारी ऐतिहासिक परिस्थितियों दोनों से परिचित होते हैं, क्योंकि हम उससे परिचित होते हैं और क्योंकि हम उन्हें बार-बार देखने से परिचित होते हैं क्योंकि हम 'राजनीतिक कार्टूनों में उपयोग किए जाने वाले कुछ प्रतीकों से परिचित होने के कारण, हम आम तौर पर उन्हें पहचानने और उनके साथ तालमेल बिठाने में सक्षम होते हैं। एक कहानी जो मुझे बताना पसंद है, मुझे याद है जब मैं मद्रस में था और मैं मोंटाना में रह रहा था, गर्मियों के दौरान, मैं घर जाता था और काम करता था, और एक गर्मियों में, मैं एक पुराने केबिन, एक पुराने लॉग को तोड़ने में एक पशुपालक की मदद कर रहा था केबिन, क्योंकि कुछ लकड़ियाँ अभी भी अच्छी थीं, और वह उनका उपयोग अपना केबिन बनाने के लिए करने जा रहा था।

इसलिए, हम इसे तोड़ रहे थे, और लट्टों के बीच में, मोंटाना की ठंडी सर्दियों की हवाओं से बचने के लिए, जिसने भी वह केबिन बनाया था, उसने हवा को बाहर रखने के लिए लट्टों के बीच में अखबार भर दिए थे। और इसलिए, जैसे ही हमने इन लॉग्स को हटाया, ये अखबार बाहर गिरने लगे, और मैंने देखा कि उनमें से कुछ में 30, 40 और 50 के दशक के राजनीतिक कार्टून थे, और

कुछ कार्टून तो मेरे पास नहीं थे। कुछ कारणों से समझें। नंबर एक, मैं कुछ प्रतीकों और उनके अर्थ के बारे में निश्चित नहीं था, हालाँकि अन्य के बारे में मैं निश्चित था।

दूसरा, मैं नहीं कर सका, मेरा इतिहास पुराना है, इसलिए मैं ऐतिहासिक और राजनीतिक रूप से याद नहीं कर सका कि 1940 और 50 के दशक में संयुक्त राज्य अमेरिका और दुनिया में क्या चल रहा था। इसलिए, मैं इन राजनीतिक कार्टूनों के बारे में कुछ अनभिज्ञ था। रहस्योद्घाटन के साथ भी यही सच है।

यह एक राजनीतिक कार्टून की तरह काम करता है, और अगर हम ऐतिहासिक स्थिति और पृष्ठभूमि को नहीं समझते हैं, न ही जॉन द्वारा इस्तेमाल किए गए कुछ प्रतीकों को, तो हम शायद प्रकाशितवाक्य के दृष्टिकोण को गलत समझेंगे। इसलिए, रहस्योद्घाटन एक राजनीतिक कार्टून की तरह काम करता है। यह एक तरह से पहली सदी की ऐतिहासिक, धार्मिक और राजनीतिक परिस्थितियों पर एक टिप्पणी है।

जॉन पुराने नियम और पहली शताब्दी की दुनिया के प्रतीकों का उपयोग वर्णन करने में मदद करने के लिए करते हैं, हमारे राजनीतिक कार्टूनों की तरह, अत्यधिक अतिरंजित प्रतीकात्मक तरीके से हमें समझने में मदद करने के लिए, या हम पाठकों को रोम के साथ उनके संघर्ष की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करते हैं, पहली सदी में जो चल रहा है उसका वास्तविक स्वरूप। राजनीतिक कार्टूनों की तरह ही, अपने प्रतीकों और अतिरंजित चित्रणों के साथ, कुछ कहते हैं और हमें राजनीतिक और ऐतिहासिक स्थिति को एक विशिष्ट परिप्रेक्ष्य से देखने में मदद करते हैं। राजनीतिक कार्टूनों में कुछ प्रतीक स्टॉक हैं।

इसलिए आमतौर पर अगर हम किसी बाज को देखते हैं, तो हम तुरंत उसकी पहचान संयुक्त राज्य अमेरिका से कर लेते हैं। यदि हम गधा या हाथी देखते हैं, तो हम उन्हें संबंधित राजनीतिक दलों के प्रतीक के रूप में पहचानते हैं। तो, क्या आप देखते हैं? बात यह नहीं है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में कहीं कोई गधा या हाथी है जिस पर धारियां और सितारे हैं।

वह बात नहीं है। मुद्दा यह है कि वे जानवर प्रतीकात्मक रूप से राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए, जब हम प्रकाशितवाक्य को देखते हैं और सात सिर वाले जानवर या ड्रैगन का वर्णन पढ़ते हैं, तो यह वस्तुतः उस ड्रैगन का वर्णन नहीं कर रहा है जो पहली शताब्दी में कहीं अस्तित्व में था या जो अस्तित्व में रहेगा।

यह प्रतीकात्मक रूप से रोमन साम्राज्य और सम्राट की वास्तविक प्रकृति का प्रतिनिधित्व करता है और उसी तरह कुछ कहता है जैसे गधा या हाथी संबंधित राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करता है और उनके बारे में कुछ कहता है। और यदि आप रुकें और राजनीतिक कार्टूनों के बारे में सोचें या यदि आप कोई राजनीतिक कार्टून पढ़ें, तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि आप फिर से, एक विशिष्ट ऐतिहासिक घटना का अतिरंजित प्रतीकात्मक चित्रण देख सकते हैं। और फिर, घटना के बारे में कुछ कहने में यह कहीं अधिक प्रभावी है, बजाय इसके कि व्यक्ति बैठ जाए और स्थिति के बारे में अपने दृष्टिकोण का वर्णन करते हुए एक छोटा पैराग्राफ लिखे।

अतिरंजित प्रतीकात्मक तरीके से इन विभिन्न प्रतीकों के साथ इस राजनीतिक कार्टून का निर्माण करके, लेखक इस विशिष्ट राजनीतिक घटना पर अधिक सशक्त रूप से कुछ कहने और टिप्पणी करने में सक्षम है, चाहे वह हमारी बढ़ती गैस की कीमतें हों या हमारी अर्थव्यवस्था से संबंधित कुछ हो या हालिया गिरावट हो ओसामा बिन लादेन आदि वे सभी घटनाएँ हमें अधिक प्रभावशाली ढंग से प्रभावित करने लगती हैं जब उन्हें इन राजनीतिक कार्टूनों के साथ अत्यधिक प्रतीकात्मक और अतिरंजित भाषा में चित्रित किया जाता है। इसलिए, मैं सुझाव दूंगा कि एक राजनीतिक कार्टून एक सहायक सादृश्य है।

एक अर्थ में, रहस्योद्घाटन को एक बड़े राजनीतिक कार्टून के रूप में देखा जा सकता है जिसका उद्देश्य हमें एक विशिष्ट परिप्रेक्ष्य प्रदान करना है जो हमें संज्ञानात्मक, बौद्धिक और भावनात्मक रूप से प्रभावित करता है ताकि हम राजनीतिक और धार्मिक स्थिति पर प्रतिक्रिया दे सकें। पहली सदी और भविष्य जिसकी ओर इतिहास बढ़ रहा है. रहस्योद्घाटन एक प्रकार का राजनीतिक कार्टून है, पहली सदी की स्थिति और भविष्य पर एक टिप्पणी है जिसकी ओर रहस्योद्घाटन की पुस्तक अंततः इशारा करती है। और एक राजनीतिक कार्टून की तरह, जबकि रहस्योद्घाटन पहली शताब्दी में वास्तविक व्यक्तियों और स्थानों और घटनाओं को संदर्भित करता है और अंततः भविष्य में रहस्योद्घाटन के अंतिम अध्यायों में समाप्त होता है, हालांकि यह वास्तविक व्यक्तियों, स्थानों और घटनाओं का जिक्र करता है, यह उन्हें संप्रेषित करता है और उन्हें शाब्दिक रूप से चित्रित नहीं किया गया है जैसा कि आप सीएनएन समाचार रिपोर्ट या वृत्तचित्र पर देखेंगे, बल्कि इसके बजाय यह उन्हें प्रतीकात्मक रूप से वर्णित करता है, अक्सर अत्यधिक अतिरंजित प्रकार की भाषा में ताकि आप भावनात्मक रूप से और साथ ही बौद्धिक रूप से प्रतिक्रिया दें, ताकि आप जॉन की बात को और अधिक मजबूती से समझ सकें। पार पाने की कोशिश कर रहा है.

फिर, जॉन के लिए क्या कहना अधिक प्रभावी है, आप जानते हैं, आपको रोमन साम्राज्य से दूर रहने की आवश्यकता है, यह ईसाइयों को प्राप्त करने के लिए है, यह हर उस चीज के खिलाफ खड़ा है जिसके खिलाफ भगवान खड़ा है, यह दिखावा और अहंकारी है और खुद को भगवान के रूप में स्थापित करता है, आपको इससे बचने की जरूरत है. क्या यह कहना अधिक प्रभावी है या सात सिर वाले भयानक जानवर की तस्वीर चित्रित करना अधिक प्रभावी है, जो लगभग भयानक आकार का है, जिसे ईसाइयों को निगलने की कोशिश के रूप में देखा जाता है, जो आपको अधिक प्रभावित करता है? तो यह कुछ ऐसा ही है जो रहस्योद्घाटन करता है और कैसे रहस्योद्घाटन, कुछ मायनों में, कम से कम हमारे समकालीन आधुनिक राजनीतिक कार्टूनों के समान है। अब मैं क्या करना चाहता हूँ, रहस्योद्घाटन की पृष्ठभूमि, साहित्यिक शैली, इसके मुख्य विषय के प्रकार और यह क्या कर रहा है, पर चर्चा करने के बाद, मैं आपको रहस्योद्घाटन के कुछ खंडों का एक नमूना देना चाहता हूँ।

फिर से, यदि आप पुस्तक की सामान्य सामग्री और गतिविधि का अवलोकन चाहते हैं, तो मैं आपको एक बार फिर से वापस जाकर अपनी पाठ्यपुस्तक, पॉवेल द्वारा लिखित इंट्रोड्यूसिंग द न्यू टेस्टामेंट पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करूंगा। लेकिन मैं बस इतना करना चाहता हूँ कि पुस्तक के माध्यम से आगे बढ़ें और आपको प्रकाशितवाक्य के कुछ प्रमुख खंडों का एक नमूना दें और थोड़ा देखें कि वे कैसे कार्य करते हैं, वे उस विशिष्ट स्थिति पर कैसे प्रतिक्रिया करते हैं जिसे जॉन

रहस्योद्घाटन में संबोधित कर रहा है, कितनी समझ है उम्मीद है कि प्रतीक और पृष्ठभूमि, विशेष रूप से पुराने नियम से, हमें अनुभागों में क्या चल रहा है, इसकी थोड़ी बेहतर समझ और धारणा बनाने में मदद मिलेगी। पहला खंड जिसे मैं देखना चाहता हूँ वह अध्याय चार और पांच है, जो सिंहासन पर भगवान और मेमने का दर्शन है।

प्रकाशितवाक्य अध्याय चार वास्तव में जॉन के दर्शन के केंद्र से शुरू होता है, और यह जॉन से शुरू होता है, जैसा कि आप सर्वनाश में उम्मीद करेंगे, जॉन स्वर्ग में चढ़ गया। याद रखें, यहां भगवान पर्दा उठाने जा रहे हैं। पहली शताब्दी के रोमन साम्राज्य के संदर्भ में रहने वाले जॉन के लिए, भगवान अब पर्दा उठाने जा रहे हैं और जॉन को वास्तविकता, स्वर्गीय वास्तविकता की एक झलक देंगे जो पहली शताब्दी के पीछे छिपी है।

तो, अध्याय चार शुरू होता है, इसके बाद मैंने देखा और वहां स्वर्ग में एक दरवाजा खुला था, और पहली आवाज जो मैंने तुरही की तरह मुझसे बात करते हुए सुनी थी, उसने कहा, यहां आओ और मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि इसके बाद क्या होना चाहिए। तुरन्त मैं आत्मा में आ गया, और वहाँ स्वर्ग में एक सिंहासन खड़ा था, और उस सिंहासन पर एक बैठा हुआ था। अब, मैं चाहता हूँ कि आप प्रतीकात्मक चित्रण पर ध्यान दें और न केवल संज्ञानात्मक रूप से समझें कि क्या हो रहा है, बल्कि भावनात्मक रूप से महसूस करें और महसूस करें कि जॉन के लिए इस तरह का दृश्य देखना कैसा होता है।

वह कहता है, मैं ने वहां स्वर्ग में एक सिंहासन देखा, और उस पर एक बैठा हुआ है, और जो वहां बैठा है वह यशब और कार्नेलियन के समान दिखाई देता है, और उस सिंहासन के चारों ओर एक इन्द्रधनुष है जो पन्ना के समान दिखाई देता है। सिंहासन के चारों ओर 24 सिंहासन हैं, और उन सिंहासनों पर सफेद वस्त्र पहने 24 बुजुर्ग बैठे हैं, जिनके सिर पर सुनहरे मुकुट हैं। सिंहासन से बिजली की चमक, गड़गड़ाहट और गड़गड़ाहट की आवाजें आ रही हैं, और सिंहासन के सामने सात जलती हुई मशालें जल रही हैं, जो परमेश्वर की सात आत्माएं हैं।

और सिंहासन के सामने कांच, और बिल्लौर के समुद्र के समान कुछ है। सिंहासन के चारों ओर, सिंहासन के दोनों ओर चार जीवित प्राणी हैं जो आगे और पीछे आंखों से भरे हुए हैं। पहला प्राणी सिंह के समान है, दूसरा बैल के समान है, तीसरा प्राणी मनुष्य के मुख के समान है, और चौथा प्राणी उड़ते हुए उकाब के समान है।

और चारों जीवित प्राणी, जिन में से प्रत्येक के छः छः पंख थे, चारों ओर और भीतर आंखों ही आंखों से भरे हुए हैं। और मैं वहीं रुकूंगा, लेकिन आपको जॉन के स्वर्ग के एक सिंहासन और सिंहासन पर बैठे व्यक्ति के दर्शन की तस्वीर मिल जाएगी। दिलचस्प बात यह है कि जॉन सिंहासन पर बैठे व्यक्ति की विशेषताओं का वर्णन नहीं करता है, बल्कि इस तथ्य का वर्णन करता है कि वह जो देखता है उसकी तुलना क्रिस्टल और कीमती पत्थरों की चमक से की जा सकती है।

और सिंहासन से बिजली और गड़गड़ाहट आ रही है, जो न्याय की छवि को उजागर करती है। सिंहासन स्वयं न्याय की छवि को उजागर करता है। फिर सिंहासन के चारों ओर चार जीवित प्राणियों और 24 बुजुर्गों का वर्णन ग्राफिक शब्दावली में किया गया है।

तो, उम्मीद है, आपको इन दृष्टिकोणों को लिखने में जॉन के अनुभव का एहसास होगा। एक तरह से, जॉन चाहता है कि उसके पाठक भी वही अनुभव करें जो उसने अनुभव किया है, संज्ञानात्मक और भावनात्मक रूप से भी। अब, अध्याय चार, अध्याय चार यह चित्र है, भगवान और सिंहासन का चित्रण।

और आप देख सकते हैं कि पहले से ही क्या हो रहा है, क्या स्वर्ग में यह सिंहासन वास्तव में हड़पने और दूसरे सिंहासन को बदलने के लिए है? और क्या आप अनुमान लगा सकते हैं कि वह क्या है? प्रथम शताब्दी के रोमन साम्राज्य में सीज़र उसके सिंहासन पर बैठा होगा। जैसे ही लोगों ने अपनी अनुभवजन्य दुनिया को देखा, उन्हें केवल रोम का बढ़ता प्रभाव दिखाई दिया।

अब जॉन को स्वर्ग की एक झलक पाने का विशेषाधिकार प्राप्त है जहां सीज़र सिंहासन पर नहीं है, लेकिन अब भगवान सिंहासन पर बैठे हैं। और अब सारी सृष्टि एकत्रित होकर उसकी आराधना करेगी और उसकी संप्रभुता को स्वीकार करेगी। तो तुरंत, जॉन, फिर से, पर्दा उठाना शुरू कर रहा है ताकि जॉन को स्वर्गीय वास्तविकता को देखने का विशेषाधिकार प्राप्त हो।

तो, पृथ्वी पर जो चल रहा है वह पूरी कहानी नहीं है। हाँ, सीज़र अपने सिंहासन पर बैठा है और रोमन साम्राज्य लगातार बढ़ रहा है। लेकिन अब जॉन एक अलग वास्तविकता देखता है जहां स्वर्ग में सच्चा सिंहासन, सच्चा स्वर्गीय सिंहासन उस पर भगवान बैठा है जो पूरी पृथ्वी पर संप्रभु है।

हालाँकि, बात यहीं नहीं रुकती. अध्याय पाँच आगे बढ़ता है और हमें एक और आंकड़े से परिचित कराता है। यह अभी भी वही सिंहासन दृश्य है, स्वर्गीय सिंहासन कक्ष का वही दृश्य जिसमें जॉन को अब प्रवेश करने और उसकी एक झलक पाने का विशेषाधिकार प्राप्त है।

लेकिन अब जॉन को एक और आंकड़ा नजर आ रहा है. और वह अध्याय पाँच में है, एक पुस्तक है जिसमें यह व्यक्ति कहता है कि भगवान सिंहासन पर बैठा है, और जो सिंहासन पर बैठा है उसके पास एक पुस्तक है, जिसमें संभवतः पूरी पृथ्वी पर मुक्ति और न्याय लाने की भगवान की योजना है। . यह अंततः पूरी पृथ्वी पर अपनी संप्रभुता का साम्राज्य स्थापित करने की उसकी योजना है।

वह ऐसा कैसे करेगा? और समस्या अध्याय पाँच में है, जॉन का कहना है कि उसे वहाँ कोई नहीं मिला। वह दूरदर्शी अनुभव से थे। वह अब स्वर्ग में है, लेकिन वह स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे देखता है।

ऐसा कोई नहीं है जो पुस्तक खोल सके। और इसलिए, जॉन रोता है क्योंकि फिर से, इस पुस्तक में संपूर्ण सृष्टि में उसके राज्य और उसकी संप्रभुता को स्थापित करने की ईश्वर की योजना

शामिल है। लेकिन अब जॉन को कोई ऐसा व्यक्ति नहीं मिल रहा है जो इसे खोलने और इसकी सामग्री को प्रकट करने और इसे गति देने के लिए योग्य या इसके करीब भी हो।

लेकिन अफ़सोस, जॉन का परिचय किसी ऐसे व्यक्ति से हुआ जो इसे खोल सकता है। और अध्याय पाँच में, हमें मेमने से परिचित कराया जाता है। जॉन को अब एक मेमना दिखाई देता है।

फिर से, इस दृष्टि की प्रतीकात्मक प्रकृति पर ध्यान दें। यह रोचक है। यीशु को शेर और मेमना दोनों के रूप में वर्णित किया गया है।

जाहिर है, वह दोनों नहीं हो सकते जब तक कि आपके पास यीशु की एक शेर और एक मेमने के बीच आगे-पीछे कायापलट करने की यह अजीब तस्वीर न हो। लेकिन बात वह नहीं है। फिर, यह यीशु की बात कर रहा है, लेकिन इस दूरदर्शी चित्रण में यीशु का वर्णन एक मेमने की अत्यधिक प्रतीकात्मक भाषा में किया गया है।

मारा गया, मारा हुआ मेमना। तो, यह जो कह रहा है वह यह है कि यीशु की मृत्यु के माध्यम से, कोई है जो पुस्तक ले सकता है और जो इसे खोल सकता है और इसकी सामग्री को प्रकट कर सकता है और इसे गति में स्थापित करना शुरू कर सकता है। और वह व्यक्ति यीशु से कम नहीं है, वह मेमना जो मारा गया था।

इसलिए, अपनी मृत्यु के माध्यम से, यीशु अब इस पुस्तक की सामग्री को क्रियान्वित करने में सक्षम है। तो मूल रूप से शेष रहस्योद्घाटन के बारे में यह है कि अध्याय चार और पाँच में यह दर्शन कैसे होता है, भगवान और सिंहासन पर बैठे मेमने का यह दर्शन कैसे होता है जहां सारा स्वर्ग उन्हें घेर लेता है और उनकी पूजा करता है और उनकी संप्रभुता को स्वीकार करता है, कैसे होगा जो अंततः पृथ्वी पर अधिनियमित हो जाता है? परमेश्वर की संप्रभुता और उसका राज्य और परमेश्वर और मेमने की पूजा कैसे की जाएगी, वह अंततः पूरी सृष्टि में कैसे व्याप्त होगी? शेष रहस्योद्घाटन बिल्कुल उसी के बारे में है। बाकी रहस्योद्घाटन में बताया गया है कि अध्याय चार और पाँच, स्वर्गीय वास्तविकता, कैसे पृथ्वी पर वास्तविकता बन जाती है।

एक अर्थ में, रहस्योद्घाटन भगवान की प्रार्थना पर एक विस्तारित टिप्पणी है। मैथ्यू अध्याय पाँच से, याद रखें कि हमने पहाड़ी उपदेश के बारे में थोड़ी बात की थी, और पहाड़ी उपदेश में, हमने प्रभु की प्रार्थना पढ़ी, स्वर्ग में हमारे पिता, तेरा नाम पवित्र माना जाए, तेरा राज्य आए, तेरी इच्छा पूरी हो पृथ्वी पर जैसे यह स्वर्ग में है। प्रकाशितवाक्य में अध्याय चार और पाँच स्वर्ग में भगवान की इच्छा पूरी होने को दर्शाते हैं।

भगवान अपने सिंहासन पर हैं, मेमना सिंहासन पर है, सारा स्वर्ग सिंहासन को घेरता है और मेमने और भगवान की पूजा करता है और उनकी संप्रभुता को स्वीकार करता है। भगवान की इच्छा स्वर्ग में पूरी होती है, लेकिन अब भगवान की प्रार्थना के अनुसार, भगवान की इच्छा जो स्वर्ग में होती है उसे पृथ्वी पर भी पूरा करने की आवश्यकता है। तो, रहस्योद्घाटन इस बारे में है कि अध्याय चार और पाँच में भगवान की इच्छा स्वर्ग में कैसे पूरी हो रही है, और वह अंततः पृथ्वी पर कैसे घटित होती है।

कैसे पूरी पृथ्वी अंततः भगवान की संप्रभुता को स्वीकार करती है और कैसे भगवान का राज्य और शासन मूल रूप से या अंततः रोम के शासन को प्रतिस्थापित करने के लिए विस्तारित होता है और अंततः पूरी सृष्टि को गले लगाने के लिए विस्तारित होता है। तो, उस अर्थ में, प्रकाशितवाक्य अध्याय चार और पाँच को अक्सर प्रकाशितवाक्य की संपूर्ण पुस्तक के आधार के रूप में वर्णित किया गया है। क्योंकि पुनः, प्रकाशितवाक्य का शेष भाग एक प्रकार से अध्याय चार और पाँच का कार्य है।

हम देखेंगे कि रहस्योद्घाटन उसी तरह समाप्त होता है जहां अध्याय चार और पांच शुरू होते हैं। अगला खंड जिसे मैं संक्षेप में देखना चाहता हूँ वह वास्तव में तीन खंड हैं, और वह हैं मुहरें, तुरही और कटोरे। अध्याय चार और पाँच के बाद, प्रकाशितवाक्य का अधिकांश भाग सात के तीन खंडों के आसपास संरचित है, और वह है सात मुहरें, सात तुरहियाँ और सात कटोरे।

ये खंड प्रकाशितवाक्य की पूरी पुस्तक में एक-दूसरे के ठीक बाद आते हैं। तो फिर, अध्याय चार और पांच के बाद, हमने पढ़ा कि किताब का बाकी हिस्सा इन्हीं सात मुहरों के इर्द-गिर्द घूमता है, जिन्हें खोला जाता है, फिर सात तुरहियाँ फूँकी जाती हैं, और फिर सात कटोरे उंडेले जाते हैं। और फिर एक बार जब यह हो जाता है, तो आपको अंतिम न्याय मिलता है, मसीह का आगमन, अंतिम न्याय, सहस्राब्दी, और फिर नया स्वर्ग और नई पृथ्वी।

लेकिन सातों की इन तीन श्रृंखलाओं, इन मुहरों, तुरहियों और कटोरे से हमें क्या बनाना है? सबसे पहले, मैं इस बारे में थोड़ी बात करना चाहता हूँ कि हम प्रतीकवाद को कैसे समझते हैं। और मुझे लगता है कि यह मुख्य रूप से, एक बार फिर, पुराने नियम की पृष्ठभूमि को समझने के साथ समेटा गया है। जॉन को यह विचार कहां से मिला, या, उसे विशेष रूप से इन तुरहियों और इन कटोरों के प्रतीक कहां से मिले? क्योंकि जैसे ही प्रत्येक मुहर खोली जाती है, जैसे ही प्रत्येक तुरही फूँकी जाती है, जैसे ही प्रत्येक कटोरा उंडेला जाता है, पृथ्वी पर कुछ घटित होता है।

और कुंजी यह पता लगाने की कोशिश करना है कि पृथ्वी पर क्या और कब ये चीजें घटित होती हैं, जॉन प्रतीकात्मक भाषा में उनका वर्णन करता है, जैसा कि आप सर्वनाश में उम्मीद करेंगे। कुंजी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ये प्रतीक क्या संकेत दे रहे हैं। जॉन क्या देख रहा है? जब वह इन मुहरों को खुलते हुए और इन चीजों को घटित होते हुए देखता है, जब वह इन तुरहियों को बजते हुए सुनता है और पृथ्वी पर कुछ चीजें घटित होती हैं, जब वह कटोरे को बाहर निकलते हुए और कुछ चीजों को घटित होते हुए देखता है, तो जॉन क्या कल्पना कर रहा है? हमें इसे कैसे समझना चाहिए? फिर से, मुझे लगता है कि कुंजी पुराने नियम की ओर वापस जाना है। लेकिन सबसे पहले, मुझे संक्षेप में पढ़ने दीजिए, यह मुहरों का विवरण है।

यूहन्ना कहता है, जब मेम्ने ने सातों को खोला, तो मुझे खेद है, जो तुरहियाँ फूँकी गई हैं उनका यही वृत्तान्त है। और फिर, जैसे ही प्रत्येक तुरही फूँकी गई, कुछ घटित हुआ। जॉन कहते हैं, एक और स्वर्गदूत सोने का धूपदान लिए हुए आया और वेदी पर खड़ा हो गया।

उसे सिंहासन के सामने की स्वर्ण वेदी पर संतों की प्रार्थनाओं के साथ चढ़ाने के लिए बड़ी मात्रा में धूप दी गई। और पवित्र लोगों की प्रार्थना के साथ धूप का धुआँ स्वर्गदूत के हाथ से भगवान के

सामने उठा। फिर से, सभी प्रतीकों, प्रतीकात्मक भाषा, छवि और भावनाओं पर ध्यान दें जिन्हें यह उत्पन्न करना है।

तब स्वर्गदूत ने धूपदान लिया, और उस में वेदी की आग भर दी, और उसे पृथ्वी पर फेंक दिया। और गड़गड़ाहट, गड़गड़ाहट, बिजली की चमक और भूकंप होने लगे। अब वे सात स्वर्गदूत जिनके पास सात तुरहियाँ थीं, उन्हें बजाने के लिये तैयार हुए।

तो अब हम सात तुरहियाँ बजते हुए सुनेंगे और जैसे ही हर एक को बजाया जाएगा, कुछ घटित होगा। पहले स्वर्गदूत ने तुरही बजाई और खून से मिश्रित ओले और आग आने लगी। और उन्हें पृथ्वी पर गिरा दिया गया।

पृथ्वी का एक तिहाई भाग जल गया। जैसे ही मैं इन्हें पढ़ूंगा, मैं इनमें से कुछ को संक्षिप्त कर दूंगा, लेकिन मैं सिर्फ यह चाहता हूँ कि आप यह समझ सकें कि इनमें से प्रत्येक तुरही में क्या है। दूसरे स्वर्गदूत ने तुरही बजाई और आग से जलते हुए एक बड़े पहाड़ जैसी कोई चीज़ समुद्र में फेंक दी गई।

समुद्र का एक तिहाई भाग रक्तमय हो गया। तीसरे स्वर्गदूत ने तुरही बजाई। एक महान तारा मशाल की तरह चमकता हुआ स्वर्ग से गिरा और वह एक तिहाई नदियों और पानी के झरनों पर गिर पड़ा।

वर्मवुड सितारों का नाम. एक तिहाई पानी वर्मवुड या कड़वा हो गया और कई लोग इससे मर गये। चौथे स्वर्गदूत ने तुरही बजाई और सूर्य का एक तिहाई भाग मारा गया।

चंद्रमा का एक तिहाई और तारों का एक तिहाई, जिससे उनका एक तिहाई प्रकाश अंधकारमय हो गया और दिन का एक तिहाई भाग चमकने से वंचित रह गया। फिर मैंने देखा और एक उकाब को उड़ते हुए सुना, जब वह अन्य तुरहियों के फूंकने पर जो तीन स्वर्गदूत फूंकने वाले थे, मध्य आकाश में उड़ते हुए पृथ्वी के निवासियों के पास ऊँचे स्वर में चिल्ला रहा था, वाह, वाह, वाह। और पांचवें स्वर्गदूत ने तुरही फूंकी।

मैंने एक तारा देखा जो स्वर्ग से गिरा था और उसे अथाह गड्ढे की कुंजी दी गई थी। उसने भट्टी खोली और उसमें से एक बड़ी भट्टी का धुआँ निकला और सूरज धुएँ से अंधेरा हो गया। तब उस धुएँ से टिड्डियाँ पृथ्वी पर निकलीं।

और यहीं आपको टिड्डियों का वर्णन मिलता है जिनकी पूंछ बिच्छू जैसी और सिर इंसान जैसा, बाल महिला जैसे, सिर में मुकुट, दांत शेर जैसे आदि। मैं वहीं रुकूंगा, लेकिन आप इस तरह के हैं विचार प्राप्त करें. और जब आप कटोरे के पास पहुँचते हैं, तो ये तुरहियाँ थीं, जब आप कटोरे के पास पहुँचते हैं तो आप बहुत कुछ वैसा ही पाते हैं।

आकाश अंधकारमय हो गया है, चंद्रमा और सूर्य प्रकाश नहीं देते, सारी पृथ्वी अंधकारमय हो गई है। वहाँ तुमने टिड्डियों के बारे में नहीं बल्कि मेंढकों के निकलने और पानी के खून में बदलने के बारे में पढ़ा। और अगर मैं आपसे पूछूँ, कि ये विपत्तियाँ आपके दिमाग में, आपकी विहित स्मृतियों

में, यानी पुराने और नए नियम के बारे में सोचने में, क्या याद दिलाती हैं, तो ये अन्य विपत्तियाँ क्या याद दिलाती हैं? इसे निर्गमन की पुस्तक से निर्गमन विपत्तियों को याद करना चाहिए।

जब परमेश्वर के लोग मिस्र के बंधन में थे, तो परमेश्वर ने अपने लोगों को रिहा करने और बचाने से पहले न्याय के रूप में मिस्र पर विपत्तियाँ लायीं। तो, यहाँ जो कुछ चल रहा है, उससे मुझे पूरा विश्वास है कि जॉन आपको जो याद दिलाना चाहता है, वह मिस्र से पलायन है। यदि मैं संक्षेप में कह सकता हूँ कि वह क्या कह रहा है, उसी तरह, जैसे कि भगवान ने अपने लोगों को छुड़ाने से पहले मिस्र का न्याय किया था, भगवान एक बार फिर दुष्ट मानवता का उनके अहंकार, भगवान से इनकार करने और भगवान के लोगों पर अत्याचार करने के लिए न्याय करेंगे, जैसा कि उन्होंने किया था मिस्रवासी।

अब यदि आप पूछें, जॉन क्या वर्णन कर रहा है? मुझे पूरा यकीन नहीं है। फिर से याद रखें, ये शाब्दिक विवरण नहीं हैं। जॉन इस तथ्य का वर्णन नहीं कर रहा है कि एक शाब्दिक आकाश किसी दिन समुद्र में गिरने वाला है और वस्तुतः वह रक्त में बदल जाएगा, न ही वह किसी दिन सूर्य और सौर मंडल के शाब्दिक अंधकार का वर्णन कर रहा है।

फिर, ये वास्तविक निर्णयों और वास्तविक घटनाओं के प्रतीकात्मक चित्रण हैं, लेकिन मुझे स्वीकार करना होगा, मुझे नहीं लगता कि हम निश्चित हो सकते हैं कि जॉन पहली शताब्दी में क्या वर्णन कर रहा है, पहली शताब्दी में या में क्या हो रहा होगा। भविष्य। इसके बजाय, मुझे लगता है कि हमारे लिए उनके अर्थ को समझना अधिक महत्वपूर्ण है, न कि वे कैसे दिख सकते हैं, इसके बारे में अटकलें लगाना, बल्कि उनके अर्थ को समझना। फिर, इसका अर्थ यह है कि, भगवान रोमन साम्राज्य सहित दुष्ट मानवता का न्याय करने जा रहे हैं, न्याय कर रहे हैं और करेंगे, उसी तरह जैसे उन्होंने निर्गमन के समय मिस्र के साथ किया था।

इसलिए, प्राथमिक चीज़ जो जॉन हमसे करना चाहता है वह यह पता लगाना नहीं है कि ये सब क्या संदर्भित करते हैं, लेकिन वह चाहता है कि हम निर्गमन को याद करें। वह भगवान के फैसले के बारे में कुछ कहना चाहता है। फिर, मैं अनुमान लगाऊंगा कि शायद ये विपत्तियाँ लोगों पर शारीरिक और आध्यात्मिक निर्णय का एक संयोजन है।

मुझे भी आश्चर्य है, यदि उसी तरह मिस्र में विपत्तियाँ मिस्रवासियों पर, उनके व्यापार और उनके जीवन और उनकी भलाई पर एक निर्णय थीं, तो मुझे आश्चर्य है कि क्या, एक अर्थ में, ये विपत्तियाँ और रहस्योद्घाटन और मुहरों और कटोरे और तुरही का अर्थ रोम पर, उनके वाणिज्य पर, उनके मूल्यों पर, उनकी संपूर्ण आर्थिक व्यवस्था पर निर्णय नहीं है। यह रोम और किसी भी अन्य साम्राज्य पर ईश्वर के फैसले का चित्रण है जो रोम की तरह कार्य करेगा और उसके नक्शेकदम पर चलेगा। तो यह समझने का एक तरीका है, या मुझे लगता है कि शायद कम से कम सातों के तीन सेटों, सात मुहरों, सात तुरहियों और सात कटोरे की इन तीन श्रृंखलाओं को समझने की कोशिश करने का शुरुआती बिंदु मुख्य रूप से निर्गमन के बारे में सोचना था, न कि यह अनुमान लगाने के लिए कि ये कैसे दिख सकते हैं।

और मुख्य बात यह है कि ईश्वर अपनी दुष्ट मानवता और रोम जैसे समाज का उसी तरह न्याय करेगा जैसे उसने अपने लोगों को मिस्रियों के उत्पीड़न से मुक्ति दिलाने से पहले मिस्र का किया था। जहाँ तक मुहरों के बीच संबंध का सवाल है, आप अपने नोट्स में नोट करेंगे कि मैंने आपको तीन संभावित मॉडल दिए हैं, और मैं किसी भी विवरण में नहीं जाना चाहता। प्राथमिक प्रश्न यह है कि क्या मुहरें, मुहरें, तुरही और कटोरे एक-दूसरे का क्रमिक रूप से अनुसरण करते हैं, ताकि जब वे सभी समाप्त हो जाएं तो सात मुहरें हों, फिर सात तुरहियां हों, और जब वे सभी समाप्त हो जाएं, तब सात कटोरे होते हैं।

यह एक संभावना है। दूसरी संभावना यह है कि ये ओवरलैप होते हैं। जब आप पढ़ते हैं, विशेषकर जब आप तुरही और कटोरे पढ़ते हैं, तो आप देखेंगे कि कुछ विपत्तियाँ समान हैं।

तो, कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि ये तीनों, मुहरें, तुरही और कटोरे, वास्तव में ओवरलैप होते हैं। वे निर्णय का वर्णन करने के बस अलग-अलग तरीके हैं। यह ऐसा है मानो जॉन मुहरों के दृष्टिकोण से निर्णय का वर्णन करता है, और फिर वह पीछे हट जाता है और कहता है, मुझे इसका फिर से वर्णन करने दो।

तो, वह इसका वर्णन सात कटोरे के रूप में करता है। और फिर वह कहता है, मैं वास्तव में चाहता हूँ कि आपको चित्र मिले, इसलिए वह वापस जाता है और वह सात कटोरे के रूप में फिर से उन्हीं निर्णयों का वर्णन करता है। यह भी संभव है।

लेकिन मैं बस इतना चाहता हूँ कि आप यह महसूस करें कि मुहरों और कटोरे के बीच संबंध को समझने के संभावित तरीके हैं और मुझे नहीं लगता कि जॉन का उद्देश्य हमें यह अनुमान लगाना है कि इनमें से कितने अभी या भविष्य में हो रहे हैं, या वे कब घटित होंगे, या बिल्कुल वे कैसे दिखेंगे। फिर से, जॉन का प्राथमिक बिंदु निर्गमन की कल्पना को उजागर करना है, यह कहना है कि जैसे भगवान ने एक दुष्ट बुतपरस्त समाज का न्याय किया जिसने भगवान के लोगों पर अत्याचार किया, जिसने अहंकारपूर्वक खुद को भगवान के स्थान पर स्थापित किया, भगवान फिर से ऐसा करने जा रहे हैं। और इसलिए, फिर से, यह पाठकों के लिए एक चेतावनी है।

रोमन शासन के आगे न झुकें। उनकी मूर्तिपूजक दुष्ट व्यवस्था में भाग न लें, बल्कि इसका विरोध करें, क्योंकि ईश्वर एक दिन इसका न्याय करेगा। अगला भाग जिसे मैं देखना चाहता हूँ वह रहस्योद्घाटन में कुछ संख्याओं के बारे में संक्षेप में बात करना है।

रहस्योद्घाटन संख्याओं से भरी एक किताब है, और शायद सबसे प्रसिद्ध संख्या सात है, लेकिन संख्या 666 के बारे में सोचे बिना कोई भी रहस्योद्घाटन के बारे में नहीं सोच सकता है, और हम उन संख्याओं के बारे में थोड़ी बात करेंगे। लेकिन मुख्य बात जो मैं रहस्योद्घाटन में संख्याओं के बारे में कहना चाहता हूँ, सबसे पहले, संख्याओं की व्याख्या प्रतीकात्मक रूप से भी की जानी चाहिए। रहस्योद्घाटन में अन्य सभी छवियों की तरह, जानवर, जानवर, बिजली और गड़गड़ाहट, और टिड्डियां, वगैरह, वगैरह, पानी का खून में बदलना, तारे पृथ्वी से गिरना, और फिर कड़वा होना, जिससे समुद्र और पानी बन गया कड़वा, और उसे और सारी वनस्पति को जला देता है।

यह सब प्रतीकात्मक रूप से पृथ्वी पर परमेश्वर के न्याय को चित्रित कर रहा है। उसी तरह, संख्याओं की प्रतीकात्मक रूप से व्याख्या की जाती है। उन्हें गणितीय परिशुद्धता के साथ नहीं लिया जाना चाहिए, जैसे कि आप उन्हें जोड़ सकते हैं और कुछ समयरेखा या कुछ चार्ट के साथ आ सकते हैं जहां हम अंत तक या उसके जैसा कुछ संबंध में अपने अस्तित्व को चार्ट कर सकते हैं।

ये किसी गणितज्ञ के आंकड़े नहीं हैं। वे किसी कलाकार या किसी ऐसे व्यक्ति के नंबर हैं जो प्रतीकात्मक रूप से लिख रहा है। इसलिए, मेरी राय में, रहस्योद्घाटन में सभी संख्याओं को प्रतीकात्मक रूप से लिया जाना चाहिए।

फिर, जिस चर्च के संदर्भ में मैं बड़ा हुआ, मैंने सीखा कि रहस्योद्घाटन में संख्याएँ, जब तक कि ऐसा न करने का वास्तव में कोई अच्छा कारण न हो, और आमतौर पर वहाँ कोई अच्छा कारण नहीं पाया गया, लेकिन जब तक कि ऐसा न करने का वास्तव में कोई अच्छा कारण न हो, हमें संख्याएँ लेनी चाहिए अक्षरशः। मैं इसे सिर के बल खड़ा कर दूंगा और कहूंगा, जब तक आप वास्तव में ऐसा करने के लिए ठोस सबूत नहीं दे सकते, हमें संख्याओं को प्रतीकात्मक रूप से लेना चाहिए। अधिकांश संख्याओं का प्रतीकात्मक मूल्य होता है जिसे शायद हममें से कई लोग समझ सकते हैं, या कम से कम हम इसके औचित्य को समझ सकते हैं।

लेकिन फिर, मैं उनमें से कुछ पर बात करना चाहता हूँ। संख्या 666 के बारे में क्या, जो संभवतः प्रकाशितवाक्य में सबसे प्रसिद्ध संख्या है? फिर, मेरा पालन-पोषण उस संदर्भ में हुआ जहां इस संख्या को शाब्दिकता और गंभीरता के साथ लिया गया ताकि आप हर कीमत पर इस संख्या से बचें। मुझे एक दिन याद है जब मैं किशोर था और हमारे चर्च में एक प्रसिद्ध भविष्यवाणी वक्ता को सुन रहा था, और उसके पास कागजात का ढेर, कैटरपिलर ट्रैक्टर कंपनी के कंप्यूटर प्रिंटआउट और उनके उत्पादों के एक समूह के कुछ चालान थे, और बीच में, उसने पाया संख्या 666.

उन्हें यकीन था कि 666, जानवर का निशान, पहले से ही हमारी अर्थव्यवस्था और यहां तक कि कैटरपिलर ट्रैक्टर कंपनी जैसी चीजों में भी घुसपैठ कर रहा था। मुझे आश्चर्य है कि उन्होंने कभी यह सवाल क्यों नहीं पूछा कि इसके पहले की संख्या 665 और इसके बाद की संख्या 667 क्यों थी। शायद यह महज एक संयोग था।

लेकिन क्या आप देखते हैं कि संख्या 666 को अत्यधिक शाब्दिकता के साथ लिया गया था ताकि जहां भी आपको यह मिले, इसे टालना पड़े? मुझे याद है जब मैं कई साल पहले मिनेसोटा में एक ईसाई संगीत समारोह में था, तो हमें अंदर जाने के लिए एक नाम टैग की आवश्यकता होती थी, और सभी नाम टैग में एक नंबर होता था, और अंतिम तीन नंबर वे होते थे जो पहचानते थे, वही होते थे वह बदल गया। मेरे आखिरी तीन नंबर 666 थे।

मैं जैसा विद्रोही था, मैंने इसे जारी रखने का फैसला किया, और मैं इसे हटाने वाला नहीं था। लेकिन फिर, कारण यह था कि मेरे पहले वाले व्यक्ति के पास 665 था और मेरे बाद वाले व्यक्ति

के पास 667 था। इसलिए, मैं जो कह रहा हूँ वह अक्सर संख्या 666 महज संयोग है, और जब आप प्रकाशितवाक्य पढ़ते हैं, तो इस संख्या के बारे में कुछ भी संयोग नहीं है।

ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं है कि यह समय-समय पर संख्याओं के अनुक्रम में अस्पष्ट रूप से प्रकट होता है। प्रकाशितवाक्य में इस संख्या के बारे में कुछ जानबूझकर किया गया है। मैंने अक्सर इसे क्रेडिट कार्ड और कंप्यूटर चिप्स के बराबर सुना है और आप इसका नाम लें, संख्या 666 की पहचान की गई है।

रहस्योद्घाटन में जानवर के निशान के रूप में पहचाने जाने वाले 666 को हमारी आधुनिक दुनिया में सभी प्रकार की चीजों के साथ पहचाना गया है। लेकिन फिर, कुछ बातें सोचने लायक हैं। नंबर एक, याद रखें कि कोई भी व्याख्या जो जॉन ने नहीं की होगी और उसके पाठकों ने संभवतः नहीं समझी होगी, उसके साथ संदेह की दृष्टि से व्यवहार किया जाना चाहिए।

क्या जॉन को कंप्यूटर चिप्स और हमारे बारकोड और आज हम संख्याओं का उपयोग करने के तरीके के बारे में पता था? शायद नहीं। लेकिन दूसरा, याद रखें संख्याएँ प्रतीकात्मक हैं। जॉन को जिस बात की चिंता है वह तीन अंक 666 नहीं है, हालाँकि कभी-कभी उनका उपयोग उस तरह से किया जा सकता है और इससे बचना चाहिए।

लेकिन जॉन की मुख्य चिंता उन तीन सटीक संख्याओं की उपस्थिति से नहीं है, बल्कि वे क्या दर्शाते हैं, 666 का प्रतीकात्मक मूल्य। अब इसे समझने के कुछ तरीके हैं। शायद संख्या 6 को केवल संख्या 7 की एक कमी के रूप में देखा जाना चाहिए, जैसा कि हम जानते हैं, एक संख्या 7 जैसा कि हम में से अधिकांश जानते हैं, सृष्टि पर वापस जाते हुए, हम इसे आपके नोट्स में देखेंगे।

7 पूर्णता की संख्या है। कुछ लोगों का सुझाव है कि प्रकाशितवाक्य 13 में उल्लिखित 666 ही वह एकमात्र स्थान है जिसका उल्लेख जानवर के निशान के रूप में किया गया है, कि 666 तब 7 की संख्या से केवल तीन गुना कम होगा। अर्थात् यह अपूर्णताओं की संख्या है।

यह मानवता की संख्या है। यह वह संख्या है जो पूर्ण संख्या 7 से कम है। तो शायद 666 रोमन साम्राज्य के बारे में कुछ कह रहा है। इसमें पूर्णता की कमी है।

पूर्णता की संख्या तक नहीं मापता। यह उससे कम पड़ जाता है। यह अपूर्ण है।

इसके अलावा, एक और संभावना यह है कि इनमें से किसी को भी सीमित करने या खारिज करने का कोई कारण नहीं है। कभी-कभी मुझे विश्वास हो जाता है कि जॉन कल्पना का उपयोग करता है क्योंकि यह अर्थ में समृद्ध है। यह एक से अधिक बातें उत्पन्न कर सकता है।

इसलिए, शायद खुद को केवल एक स्पष्टीकरण तक सीमित रखने की कोई आवश्यकता नहीं है। तो 6 पूर्ण संख्या 7 से कम अपूर्णताओं की संख्या होने के अलावा, संख्या 666 ने नीरो नाम का भी सुझाव दिया होगा। जब नीरो का नाम बनाने वाले अक्षरों का संख्यात्मक मान, जब उन्हें नाम की कुछ वर्तनी में जोड़ा जाता है, तो आपको संख्या 666 मिलती है।

तो, कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि 666 ने पहले पाठकों को सम्राट नीरो की याद दिला दी होगी। अब, यदि जॉन बाद में डोमिनिशियन के अधीन लिख रहा है, तो शायद नीरो बहुत पहले ही उनसे जा चुका था। शायद जॉन जो करना चाहता है वह उन्हें नीरो को वापस बुलाने के लिए प्रेरित करना चाहता है।

दूसरे शब्दों में, नीरो एक प्रकार से बुराई और दुष्टता का अवतार और नमूना था। और अब 666 का उपयोग करके, एक संख्या जो नीरो के नाम को याद दिलाती है, ऐसा लगता है मानो जॉन कहना चाह रहा हो, क्या आपको वह दुष्ट पशु शासक नीरो याद है? अब वह, वर्तमान रोम, नीरो जो था और नीरो जो कर रहा था, उसका पुनः एक अवतार मात्र है। यह लगभग वैसा ही है जैसे कि यह एक तरह से नीरो पुनर्जीवित हो गया हो।

नीरो की आत्मा अब उभर रही है और अभी भी रोम में मौजूद है। और इसलिए, यह पाठकों को शायद एक अतीत, वास्तव में दुष्ट, दुष्ट शासक नीरो की याद दिलाकर रोम की वास्तविक प्रकृति को देखने का एक और शक्तिशाली तरीका है। और अब वह उन्हें याद दिलाना चाहता है जैसे कि फिर से कह रहा हो, एक अर्थ में नीरो, जब नीरो ने शासन किया था तब सम्राट के पीछे की भावना और शक्ति और शक्ति अब फिर से काम पर है।

लेकिन इनमें से किसी को भी खारिज करने की कोई जरूरत नहीं है। संभवतः यह 6 को संदर्भित करता है जो पूर्णता से कम संख्या है, पूर्ण संख्या 7 है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि 666 ने नीरो की छवि को याद दिलाया होगा और उत्पन्न किया होगा और शायद फिर से नीरो को संदर्भित करता है, बस पाठकों को रोमन की वास्तविक प्रकृति की याद दिलाता है। शासन और रोमन साम्राज्य जिसका वे सामना कर रहे हैं। तो, 666 का फिर से मतलब यह नहीं है, जॉन 21वीं सदी की चीजों की भविष्यवाणी या संदर्भ नहीं दे रहा है जैसे कि कुछ व्यक्ति या कुछ घटनाएँ या कुछ तकनीकी चमत्कार, लेकिन 666 को इसके पहली सदी के संदर्भ के आलोक में समझा जाना चाहिए। इसका प्रतीकात्मक मूल्य।

संख्या 7 का भी, जैसा कि हम पहले ही कह चुके हैं, प्रतीकात्मक महत्व है। अंक 7 जो संभवतः सृष्टि के 7 दिनों से जुड़ा है अब पूर्णता का अंक बन गया है। इसलिए जब भी आप संख्या 7 देखते हैं, तो यह पूर्णता और पूर्णता का सुझाव देता है।

तो फिर, जिन 7 विपत्तियों और 7 मुहरों और कटोरे के बारे में हमने अभी बात की, मुख्य विचार यह नहीं है कि उनमें से सचमुच 7 हैं जो एक पंक्ति में घटित होते हैं, बल्कि 7 का वर्णन करके, 7 का उपयोग करके, प्रतीकात्मक रूप से जॉन पूर्णता बता रहा है या पूर्णता। तो, 7 कटोरे और विपत्तियाँ और मुहरें दुनिया पर परमेश्वर के न्याय की पूर्ण और सही संख्या का सुझाव देती हैं। या 7 का कोई गुणज। इसलिए, जब आप प्रकाशितवाक्य अध्याय 7 पर पहुँचते हैं, तो जॉन 144,000 का एक दर्शन देखता है।

वह बस 7 गुना 7 है या यह बस 7 गुना 1,000 का गुणज है। तो अंततः, आपको 144,000 मिलेंगे। तो फिर, जॉन जो करने की कोशिश कर रहा है वह नहीं है, वास्तव में वह संख्या 12 है।

जॉन जो करने का प्रयास कर रहा है वह संख्यात्मक गणितीय मूल्य का संचार नहीं कर रहा है, बल्कि उदाहरण के लिए, 144,000 जो कि 12 का गुणज है, लेखक उस संख्या के प्रतीकात्मक मूल्य के बारे में कुछ कहने का प्रयास कर रहा है। तो, 7, जहां भी यह आता है, पूर्णता की संख्या है। $3 \frac{1}{2}$, अगला वाला, $3 \frac{1}{2}$ 7 का आधा है। तो जो सुझाव देता है वह केवल आधा है, या फिर, पूर्णता से कम है।

इसलिए, कई बार, जॉन $3 \frac{1}{2}$ वर्षों में होने वाले परमेश्वर के लोगों के उत्पीड़न का उल्लेख करता है। अब मुझे पता है कि $3 \frac{1}{2}$ वर्ष लेना और इसे $3 \frac{1}{2}$ वर्ष के किसी अन्य संदर्भ में जोड़ना आम बात है और आप 7 लेकर आते हैं और यह महान क्लेश या जो भी हो, का समय है। लेकिन फिर भी, मैं आश्चर्य नहीं हूँ कि जॉन सख्त लौकिक या गणितीय शब्दों में बोल रहा है।

$3 \frac{1}{2}$ वर्ष इसके अस्थायी मूल्य के लिए महत्वपूर्ण नहीं हैं, इसलिए यदि आपके सामने एक कैलेंडर हो, तो आप $3 \frac{1}{2}$ 360-दिवसीय वर्षों को चिह्नित कर सकते हैं। लेकिन इसके बजाय, फिर से, यह प्रतीकात्मक मूल्य है। $3 \frac{1}{2}$ किसका प्रतीक है? यह संघर्ष के तीव्र समय का प्रतीक है, लेकिन इसे कम कर दिया जाएगा।

यह लंबे समय तक नहीं चलेगा. संख्या 7 के विपरीत जो पूर्णता, पूर्णता और संपूर्णता है, $3 \frac{1}{2}$ वर्ष का अर्थ अधूरा है। तो जॉन जो कह रहा है, संकट की अवधि और चर्च द्वारा अनुभव किए जाने वाले उत्पीड़न और क्लेश का वर्णन करने के लिए $3 \frac{1}{2}$ वर्षों का उपयोग करके, $3 \frac{1}{2}$ वर्षों की संख्या का उपयोग करके, जॉन यह नहीं कह रहा है, ठीक है, यह यह केवल तभी टिकेगा जब आप अपने कैलेंडर निकाल लेंगे और $3 \frac{1}{2}$ वर्ष गिन लेंगे, यानी यह कितने समय तक चलेगा।

वह कह रहा है कि यह बस एक छोटी, गहन अवधि होगी जो लंबे समय तक नहीं रहेगी। इसे काट दिया जाएगा. यह संख्या 7 का आधा है। संख्या 12, मैं पहले ही संख्या 144 या 144,000 का उल्लेख कर चुका हूँ।

वे 12 के गुणज हैं। 12 का महत्व इज़राइल की 12 जनजातियों और 12 प्रेरितों तक जाता है। संख्या 12, न केवल प्रकाशितवाक्य में बल्कि संपूर्ण बाइबिल में, इज़राइल की 12 जनजातियों के आधार पर भगवान के लोगों को दर्शाती है।

तो, इज़राइल 12 जनजातियों के इर्द-गिर्द घूमता था। चर्च अब 12 प्रेरितों के इर्द-गिर्द घूमता है। तो अब प्रकाशितवाक्य में संख्या 12 परमेश्वर के लोगों का प्रतीक बन गई है।

तो अब हम प्रकाशितवाक्य 7 पर वापस जा सकते हैं। 144,000 का दर्शन 12 का गुणज है। 12 गुना 12 144 है, गुना 1,000। उद्देश्य यह नहीं है कि यदि आप वहां कैलकुलेटर के साथ खड़े हो सकें, तो आप 144,000 लोगों की गिनती कर लेंगे।

जो महत्वपूर्ण है वह प्रतीकात्मक मूल्य है। 144,000 परमेश्वर के लोगों की पूर्ण और सिद्ध संख्या को दर्शाता है। सबसे अधिक संभावना है, यह 144,000 से कहीं अधिक होगा, लेकिन जॉन की बात संख्या का गणितीय मान नहीं है।

यह 12 और उसके सभी गुणजों का प्रतीकात्मक मान है। 12 गुना 12, 144. न्यू जेरूसलम को 12 की इकाइयों में मापा जाता है क्योंकि यह उसका प्रतीकात्मक मूल्य है।

यह परमेश्वर के लोगों को संदर्भित करता है। तो प्रकाशितवाक्य में सभी संख्याएँ, चाहे वह 666 हो, संख्या 7, 3 1/2, 12, या संख्या 1,000, संभवतः फिर से पूर्णता और परिमाण का सुझाव देती हैं। वे सभी संख्याएँ अपने गणितीय महत्व और मूल्य के लिए नहीं हैं, जैसे कि, फिर से, हम उन्हें जोड़ सकते हैं और समय या सटीक संख्याओं का पता लगा सकते हैं, लेकिन वे अपने प्रतीकात्मक मूल्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

आइए प्रकाशितवाक्य अध्याय 12 और 13 में एक अन्य खंड पर चलते हैं। हम एक विशिष्ट खंड पर वापस जाएंगे। संख्याएँ पूरे प्रकाशितवाक्य में दिखाई देती हैं, लेकिन हम एक खंड, प्रकाशितवाक्य अध्याय 12 और 13 पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

प्रकाशितवाक्य अध्याय 12 और 13 जॉन के पास एक दृष्टि है जिसमें फिर से, कई दिलचस्प पात्र शामिल हैं। यह चार मुख्य किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है। मुझे क्षमा करें, पाँच मुख्य पात्र।

एक महिला, एक बच्चा, एक अजगर और दो जानवर। कहानी अध्याय 12 से शुरू होती है, यह महिला एक बच्चे से गर्भवती है, और एक अजगर इस बच्चे को निगलने और उसके पैदा होते ही निगलने की प्रतीक्षा कर रहा है। फिर भी जैसे ही बच्चा पैदा होता है, उसे स्वर्ग में ले जाया जाता है और संरक्षित किया जाता है, और अजगर क्रोधित हो जाता है, इसलिए वह महिला के पीछे चला जाता है।

लेकिन स्त्री भी संरक्षित है, इसलिए वह स्त्री की संतानों के पीछे लग जाता है। इसमें कहा गया है कि अजगर इतना क्रोधित था कि उसने स्त्री की संतान या वंश का पीछा किया। फिर, हम प्रतीकात्मक रूप से बात कर रहे हैं, इसलिए महिला किसी वास्तविक शाब्दिक महिला का जिक्र नहीं कर रही है, लेकिन शायद इस बिंदु पर पैगंबर के रूप में भगवान के लोगों को संदर्भित किया जाता है।

भविष्यवक्ताओं ने अक्सर ईश्वर के लोगों, इज़राइल को यहोवा की पत्नी, एक महिला के रूप में ईश्वर की पत्नी के रूप में संदर्भित किया। तो अब जॉन, अध्याय 12 की महिला संभवतः भगवान के लोगों का संदर्भ है। लेकिन अजगर उसे पकड़ नहीं पाता, इसलिए वह उसकी संतान के पीछे चला जाता है।

और उसकी मदद करने के लिए, ड्रैगन दो सहायकों, दो जानवरों, अध्याय 13 में समुद्र से एक जानवर और ज़मीन से एक जानवर की मदद लेता है। और वे ड्रैगन के एजेंट होंगे जो उसे इस महिला की संतानों और बच्चों को पाने और नष्ट करने में मदद करेंगे। तो कहानी कुछ इस प्रकार है।

अब, मैं इस बारे में दो बातें कहना चाहता हूँ। एक यह है कि हम अनुभाग के कार्य को देखेंगे। यह अनुभाग क्या कर रहा है? जॉन इस दर्शन को क्यों देखता है और इसे पाठकों से क्यों जोड़ता है? लेकिन सबसे पहले, मैं पुराने नियम की पृष्ठभूमि को देखना चाहता हूँ।

अब याद रखें, इस कहानी में आपके पास कई महत्वपूर्ण आंकड़े हैं। आपके पास एक महिला है जो गर्भवती है, और यह यहां तक कहती है कि उसे प्रसव पीड़ा का अनुभव हुआ। वह प्रसव पीड़ा से गुजर रही है और इस बच्चे को जन्म देने का इंतजार कर रही है।

तो, वह एक बेटे को जन्म देती है, उसकी संतान। लेकिन फिर आपके पास एक ड्रैगन भी है जो संतानों को नष्ट करने की कोशिश करता है, और वह दो क्रूर प्रकार की आकृतियों, दो जानवरों को बुलाता है जिनका वर्णन अध्याय 13 में ड्रैगन की तरह किया गया है, और उन्हें ड्रैगन को महिला और उसकी संतानों को नष्ट करने में मदद करनी है। अब, यह पुराने नियम की किस कहानी से मेल खाता प्रतीत होता है? ठीक है, हमें उत्पत्ति अध्याय 3 पर वापस जाना होगा। मानवता के निर्माण के बाद, अध्याय 3 में, आदम और हव्वा को साँप द्वारा उस पेड़ को खाकर पाप करने के लिए प्रलोभित किया जाता है जिससे उन्हें खाना मना है।

और उसके कारण, परमेश्वर अब श्राप का एक शब्द देगा, सृष्टि पर श्राप का एक शब्द कहेगा। तो, यहाँ भगवान भगवान क्या कहते हैं। यह वह श्राप है जो सृष्टि पर लगाया जाता है।

प्रभु परमेश्वर ने साँप से कहा, तू ने ऐसा किया है, इस कारण सब पशुओं और सब बनैले प्राणियों में तू शापित है। तुम पेट के बल चलोगे, और जीवन भर मिट्टी खाते रहोगे। अब, अगले दो श्लोक सुनिए।

वह अभी भी साँप से बात कर रहा है, और फिर वह स्त्री से बात करेगा। मैं तेरे, अर्थात् उस साँप, और स्त्री के बीच, और तेरे वंश, वा वंश, और उसके वंश के बीच में बैर उत्पन्न करूंगा। वह तुम्हारे सिर पर वार करेगा।

वह तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू उसकी एड़ी पर वार करेगा। उस ने स्त्री से कहा, मैं तेरी प्रसव पीड़ा बहुत बढ़ा दूंगा। तू पीड़ा सहकर सन्तान उत्पन्न करेगा।

अब, उन दो छोटे छंदों पर ध्यान दें, जिन्हें कई लोगों ने सुसमाचार में सन्निहित होने वाले अंततः एक पूर्वाभास या पूर्वाभास के रूप में देखा है, उन दो छंदों में से कितने रूपांकनों को प्रकाशितवाक्य 12 और 13 में दोहराया जाता है। ध्यान दें कि साँप और स्त्री की शत्रुता प्रकाशितवाक्य 12 और 13 में स्त्री और अजगर के बीच संघर्ष के साथ परिलक्षित होती है। प्रकाशितवाक्य 12 में ध्यान दें, उत्पत्ति अध्याय 3 से स्पष्ट रूप से ड्रैगन की पहचान धोखेबाज, पुराने साँप के रूप में की गई है। इसलिए, जॉन स्वयं ड्रैगन की पहचान उस साँप के रूप में करके हमें उत्पत्ति 3 में वापस ले जाता है जिसके बारे में हमने अभी उत्पत्ति 3 में पढ़ा है, 15, और 16.

तो, सबसे पहले, उत्पत्ति 3, 15, और 16 में, आपकी शत्रुता में साँप और स्त्री हैं। प्रकाशितवाक्य 12 और 13 में, आपके पास युद्ध में अजगर और महिला हैं, उनके बीच दुश्मनी है। उत्पत्ति 3:15, और 16 में, आपके पास एक वादा है कि न केवल स्त्री और अजगर, बल्कि उनकी संतानें भी एक-दूसरे के साथ शत्रुता में होंगी।

प्रकाशितवाक्य अध्याय 12 और 13 में, अजगर स्त्री की संतान के पीछे जाता है, और अजगर की संतान, दो जानवर, भी स्त्री की संतान के पीछे जाते हैं। तो, अध्याय 12 और 13 में, आपको महिला की संतान और ड्रैगन की संतान, जो कि दो जानवर हैं, के बीच संघर्ष है। उत्पत्ति 3, 15 और 16 में उसका सिर कुचलने का उल्लेख है।

अध्याय 13 में, जानवरों में से एक का वर्णन इस तरह किया गया है मानो उसका सिर कुचल दिया गया हो या मार दिया गया हो, जो संभवतः उत्पत्ति अध्याय 3 का सीधा संदर्भ है। और फिर अंत में, उत्पत्ति अध्याय 3 में, महिला को बताया गया है कि वह केवल बच्चे को जन्म देगी दर्द के माध्यम से, वह प्रसव पीड़ा के माध्यम से होगा। प्रकाशितवाक्य अध्याय 12 में, महिला को बेटे को जन्म देने के लिए प्रसव पीड़ा से गुजरते हुए देखा जाता है। तो, क्या आप देख रहे हैं कि क्या हो रहा है? यह ऐसा है मानो प्रकाशितवाक्य अध्याय 12 और 13 उत्पत्ति 3, 15 से 16 में जो मिलता है उसका एक लंबा चित्रण है, जहां फिर से, लेखक कहता है, मैं तुम्हारे और स्त्री के बीच, साँप और स्त्री के बीच, और तुम्हारे बीच शत्रुता पैदा करूंगा। संतान और उसकी।

वह तुम्हारे सिर पर वार करेगा या कुचल देगा और तुम उसकी एड़ी पर वार करोगे। उस ने स्त्री से कहा, मैं तेरी प्रसव पीड़ा बढ़ा दूंगा। वह सब अब प्रकाशितवाक्य 12 और 13 में घटित होता है।

तो, ऐसा क्यों होता है? क्या चल रहा है? इस अनुभाग का कार्य क्या है? मूल रूप से, प्रकाशितवाक्य अध्याय 12 और 13, पहली शताब्दी में ईसाइयों और रोम के बीच संघर्ष की वास्तविक प्रकृति को फिर से उजागर करने का प्रयास करते हैं। फिर से, सर्वनाशी रूप से, यह पर्दा उठाता है ताकि वे संघर्ष की वास्तविक प्रकृति को देख सकें। जॉन जो कह रहा है वह यह है कि आप जिस सच्चे संघर्ष का सामना कर रहे हैं वह रोम के साथ नहीं है, बल्कि अंततः वह संघर्ष है जो सृष्टि तक चला जाता है।

तो, दूसरे शब्दों में, उन्हें आश्चर्यचकित नहीं होना चाहिए। इसके अलावा, उन्हें अब यह समझना चाहिए कि वे जो देख रहे हैं वह सिर्फ इतना ही नहीं है, उन्हें रोम से आश्चर्यचकित नहीं होना चाहिए। वे जो देखते हैं वह कोई विशाल साम्राज्य नहीं है, बल्कि जो वे अंततः देखते हैं वह वह संघर्ष है जिसका वे रोम के साथ सामना करते हैं, अंततः स्वयं शैतान के साथ संघर्ष का अवतार है जो सृजन से लेकर उत्पत्ति अध्याय 12 तक जाता है।

तो, फिर, इससे उन्हें स्थिति को एक नए परिप्रेक्ष्य में रखने में मदद मिल रही है। इससे उन्हें उस संघर्ष की वास्तविक प्रकृति को देखने में मदद मिलती है जिसका वे सामना कर रहे हैं, कि यह सिर्फ रोम के साथ नहीं है। सच्चा संघर्ष शैतान के साथ है, एक संघर्ष जो उत्पत्ति के प्रारंभिक अध्यायों में सृष्टि से उत्पन्न होता है।

और अब वही साँप परमेश्वर के लोगों को उसी तरह नष्ट करने की कोशिश करने के लिए अपना कुरूप सिर उठा रहा है जैसे उसने अतीत में किया था। और अब ईसाइयों को विरोध करने में सक्षम होना चाहिए। एक अर्थ में, प्रकाशितवाक्य अध्याय 12 और 13 पॉल द्वारा इफिसियों में कही गई बात पर एक टिप्पणी है।

याद रखें, हमने इफिसियों अध्याय 6 में आध्यात्मिक कवच मार्ग के बारे में संक्षेप में बात की थी, जहां पॉल ने कहा था, आपकी लड़ाई मांस और रक्त के साथ नहीं है, बल्कि स्वर्गीय शासकों और अधिकारियों के साथ है। वह यह नहीं कह रहे हैं कि भौतिक मोर्चे पर आपके सामने आने वाली कोई भी लड़ाई सिर्फ एक भ्रम है या यह वास्तविक नहीं है। वह ऐसा नहीं कह रहा है।

हाँ, यह वास्तविक है, लेकिन पॉल सर्वनाशकारी बात कर रहा है। वह चाहता है कि वे देखें कि आप जिस सच्ची लड़ाई का सामना कर रहे हैं वह भौतिक अनुभवजन्य लड़ाई नहीं है, बल्कि आपको उसके पीछे छिपी सच्ची लड़ाई को समझने की जरूरत है। और जॉन अपने पाठकों से यही कह रहा है कि रोम के साथ आप जिस संघर्ष का सामना करते हैं, वह पूरी कहानी नहीं है।

इसलिए, वह पर्दा उठाता है ताकि वे पर्दे के पीछे देख सकें कि एक बहुत बड़ा संघर्ष चल रहा है जो सृष्टि और भगवान के उद्देश्यों को नष्ट करने और उसके लोगों को नष्ट करने के शैतान के प्रयास तक जाता है। लेकिन वह अंततः सांप के सिर को कुचलने वाली महिला के वंश द्वारा पराजित हो जाएगा, जो पहले से ही इन जानवरों में से एक के साथ हो चुका है जिसका सिर ऐसा प्रतीत होता है जैसे कि उसे कुचल दिया गया हो। तो अब वे यह भी देख सकते हैं कि न केवल हम संघर्ष की वास्तविक प्रकृति को समझते हैं, बल्कि मौत का झटका पहले ही दिया जा चुका है।

सिर पहले ही कुचला जा चुका है। और इसलिए, उन्हें बस विरोध करना है और रोमन शासन के आगे झुकना नहीं है। ठीक है।

रुकने के लिए यह एक अच्छी जगह है। हमारे पास कुछ अन्य अंश हैं जिन्हें हम अपनी अगली कक्षा अवधि के दौरान प्रकाशितवाक्य के अंत में देखेंगे।